Regarding situation arising out of disparities in implementation of MGNREGA

श्री राजकुमार रोत **(बांसवाड़ा) :** अध्यक्ष महोदय, वर्तमान में मनरेगा योजना मूल उद्देश्यों से भटक रही है । पिछले चार-पांच सालों के अंदर मनरेगा योजना के तहत जो नियम लागू किए गए हैं, वे कहीं न कहीं मनरेगा योजना को कमज़ोर करने के लिए लाए गए हैं । महोदय, मनरेगा योजना के अंदर मेट कारीगरों का भुगतान नहीं हो रहा है । जो नियम लागू किए गए हैं, उनकी वजह से रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत जो लाभार्थी हैं, वे लाभ नहीं ले पा रहे हैं । महोदय, आप तो भलीभांति जानते हैं कि हमारा कल्चर रहा है कि जेठ और ससुर के सामने बहू घूंघट नहीं हटाती है । लेकिन मनरेगा योजना में यह लाया गया है कि आँखों से स्क्रीनिंग किया जाएगा और महिलाओं का घूंघट उठा कर आँखों द्वारा हाज़िरी ली जाती है । यह हमारी संस्कृति को खत्म करने का नियम लागू किया गया है । महोदय, मेरा मूल रूप से अनुरोध है कि मेट कारीगरों का छह से सात माह तक वेतन भुगतान नहीं किया गया है उनका भुगतान समय पर किया जाए । ? (व्यवधान)